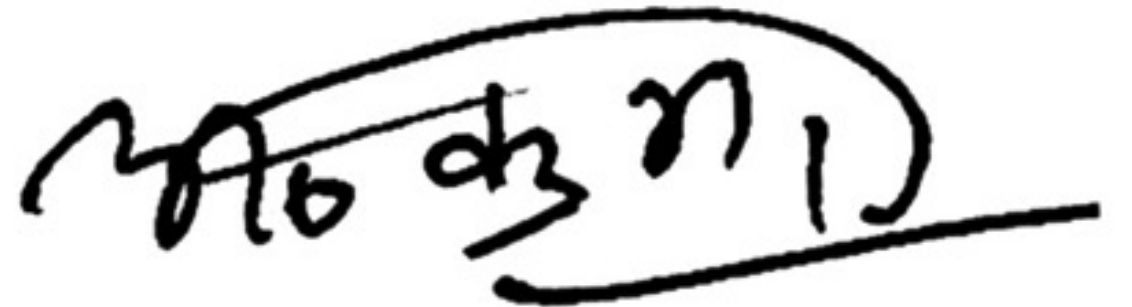


तक चलते हैं और जीवित भी रहते हैं, किंतु उनका नवीनीकरण, संशोधन तथा परिवर्तन-परिवर्धन नए संस्करणों में होता रहता है। हमारा भी प्रयास रहेगा कि आगामी संस्करण में इसे और नए रूप में प्रस्तुत किया जा सके। इतने बड़े कार्य में त्रुटि रह जाना स्वाभाविक है पाठक गण यदि इस ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करेंगे तो हम उनके आभारी रहेंगे तथा नवीन संस्करण में उन्हें अवश्य दूर करने का प्रयास करेंगे।

इस कोश के निर्माण से प्रकाशन तक जिन विद्वानों ने अपना सहयोग दिया मैं निदेशालय की ओर से उन सभी के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। मैं निदेशालय की पूर्व निदेशकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिनके कार्यकाल में इस कोश के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ तथा निरंतर प्रगति हुई। प्रस्तुत कोश के निर्माण एवं प्रकाशन से संबंधित निदेशालय के अधिकारियों ने जिस निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण के साथ यह कार्य किया है, इस हेतु वे निश्चय ही धन्यवाद के पात्र हैं।


(प्रोफेसर अवनीश कुमार)
निदेशक